



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 66]
No. 66]

नई दिल्ली, बुध्स्पतिवार, फरवरी 27, 1986/फाल्गुन 8, 1907
NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 27, 1986/PHALGUNA 8, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

मंत्रिमण्डल सचिवालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 फरवरी, 1986

का आ 76 (अ) —राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 77 के खंड
(3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार (कार्य-
आवंटन) नियम, 1961 का और सशोधन करने के लिए निम्नलिखित
नियम बनाने हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारत सरकार (कार्य-
आवंटन) नियम, 1986 है ।

(2) ये तुरन्त प्रवृत्त होंगे ।

2. भारत सरकार (कार्य-आवंटन) नियम, 1961 में—

(1) प्रथम अनुसूची में, “22 विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय”
शीर्षक के अन्तर्गत “(ii) विज्ञान और औद्योगिक अनुसंधान
विभाग” उपशीर्षक के पश्चात् निम्नलिखित उपशीर्षक जोड़ा
जाएगा अर्थात् :—

“(iii) बायोटेकनालाजी विभाग” ;

(2) द्वितीय अनुसूची में—

(i) “विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय” शीर्षक के अन्तर्गत—

(क) “क. विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग” उपशीर्षक के अन्तर्गत
प्रविष्टि 14 का लोप किया जाएगा ;

(ख) “ख. विज्ञान और औद्योगिक अनुसंधान विभाग” उपशीर्षक
और उसके नीचे की प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित
उपशीर्षक और प्रविष्टिया जोड़ी जाएंगी, अर्थात् :—

“ग. बायोटेकनालाजी विभाग

1. बायोटेकनालाजी में समेकित योजनाएं और कार्यक्रम विकसित
करना ।

2. जैविक और बायोटेकनालाजी में अनुसंधान और विकास तथा
उनके विनिर्माण के विनिर्दिष्ट कार्यक्रमों का अभिज्ञान और
संबंधित अनुसंधान के प्रारंभ और अन्वेषण तथा विनिर्माण
क्रियाकलापों का निरीक्षण करना ।

3. बायोटेक्नालॉजी में अनुसंधान और विकास के लिए श्रेष्ठ-वैश्व का अभिज्ञान, स्थापना और सहायता तथा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी और उद्देश्यों को सक्रिय बनाने के लिए इन क्रियाकलापों का समन्वित सामंजस्य सुनिश्चित करना ।
4. जैविक और बायोटेक्नालॉजी संबंधी उत्पादों और उनके मध्य-वर्ती वस्तुओं के विनिर्माण के लिए नए प्रौद्योगिकी के आयात और अंतरण के संबंध में सरकार के छानबीन करने, गलाह देने और अनुमोदन करने वाले अधिकारों के रूप में कार्य करना ।
5. भारत में बायोटेक्नालॉजी अनुसंधान और विकास तथा विनिर्माण करने के लिए सुरक्षा संबंधी मार्गदर्शक सिद्धान्त विकसित करना ।
6. उत्पादमूलक रूप से काम से लाई जाने वाली सामग्रियों, कल्चर कोशिकाओं, नमूनों टिशुओं और बायोटेक उत्पादों, जिनके अंतर्गत किसी प्रकार या आकार के डी एन ए और आर एन ए भी हैं, के आयात के लिए और देश में उनका उत्पादन बढ़ाने के लिए केंद्रीय अधिकरण के रूप में कार्य करना ।
7. बायोटेक्नालॉजी के क्षेत्र में सभी विनिर्दिष्ट अन्तर्राष्ट्रीय द्विपक्षीय और बहुपक्षीय अनुसंधान और विकास संबंधी सहयोग और करार के लिए अन्तः मंत्रालय और अन्तः अधिकरण आसंघि स्थल के रूप में और बायोटेक्नालॉजी के क्षेत्र में सभी प्रौद्योगिकी अन्तरणों के लिए आसंघि स्थल के रूप में सेवा करना ।
8. कोशिका-आधारित वैक्सीनो का विनिर्माण और उपयोजन ।
9. गृहा क्षमता का अभाव है वहां बायोटेक्नालॉजी के क्षेत्र में जनशक्ति विकास का कार्यक्रम विकसित करना ।
10. बायोटेक्नालॉजी में राष्ट्रीय उद्देश्यों को पूरा करने के लिए सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट रूप से बनाए गए अभिकरणों, आयोगों बोर्डों, आदि के प्रशासनिक और कार्यान्वयन विभाग के रूप में सेवा करना और बायोटेक्नालॉजी से संबंधित जानकारी व संग्रहण और प्रसार के लिए आसंघि स्थल के रूप में भी सेवा करना ।
11. उत्पादनमूलक इजानियरी और बायोटेक्नालॉजी के लिए अन्तर्राष्ट्रीय केंद्र का स्थापना से संबंधित कार्य
12. विभाग के लिए कार्य-आवंटन के अधीन उल्लिखित सर्वे, संज्ञा में विधायी और संसदीय अपेक्षाओं को बाबत सरकार के प्राधिकृत विभाग के रूप में सेवा करना ।

जैल सिंह, राष्ट्रपति

[सं. 74/1/1986-नवि]

दीपक दाम गुप्ता सचिव

CABINET SECRETARIAT

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th February, 1986

S.O. 76(E).—In exercise of the powers conferred by clause (3) of article 77 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Government of India (Allocation of Business) Rules, 1961, namely :—

1. (1) These rules may be called the Government of India (Allocation of Business) (One hundred and eighty first Amendment) Rules, 1986.

(2) They shall come into force at once.

2. In the Government of India (Allocation of Business) Rules, 1961—

(1) In the First Schedule, under the heading “22 Ministry of Science and Technology (Vigyan aur Pradyogiki Mantralaya)”, after the sub-heading “(ii) Department of Scientific and Industrial Research (Vigyan aur Andhyogik Anusandhan Vibhag)”, the following sub-heading shall be added, namely :—

“(iii) Department of Biotechnology (Biotechnology Vibhag).”;

(2) In the Second Schedule—

(i) under the heading “MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY (VIGYAN AUR PRAUDYOGIKI MANTRALAYA)”—

(a) under the sub-heading “A. DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY (VIGYAN AUR PRAUDYOGIKI VIBHAG)”, entry 14 shall be omitted;

(b) after the sub-heading “B. DEPARTMENT OF SCIENTIFIC AND INDUSTRIAL RESEARCH (VIGYAN AUR AUDYOGIK ANUSANDHAN VIBHAG)”, and the entries thereunder, the following sub-heading and entries shall be added, namely :—

“C. DEPARTMENT OF BIOTECHNOLOGY (BIOTECHNOLOGY VIBHAG)

1. To evolve integrated plans and programmes in biotechnology.
2. Identifying specific programmes of Research and Development and manufacturing in biologicals and biotechnology and oversee the initiation and pursuit of related research and manufacturing activities.
3. Identify, set up and support centres of excellence for Research and Development in biotechnology and ensure proper dovetailing of these activities for activating the national priorities and objectives.
4. Act as a screening, advising and approving agent of the Government, with regard to import and transfer of new technologies for the manufacture of biological and biotechnological products and their intermediates
5. Evolve safety guidelines for biotechnology Research and Development and manufacturing in India.

[भाग II—खण्ड 3(ii)]

6. To act as the central agency for the import of genetically manipulated materials, culture, cells, specimens, tissues and biotech products including DNA and RNA of any type of size and for promoting their production in the country.
7. Serve as the interministerial and interagency nodal point for all specific international bilateral and multilateral Research and Development collaboration and agreement in the area of biotechnology and as the nodal point for all technology transfers in the area of biotechnology.
8. Manufacture and applications of cell-based vaccines.
9. To evolve programmes of manpower development in the areas of biotechnology where there are gaps incompetence.
10. Serve as an administrative and implementing department of agencies, commissions, boards, etc. specifically formed by the Government for fulfilling the national objectives in biotechnology and also to serve as the nodal point for the collection and dissemination of information relating to biotechnology.
11. Work relating to the setting up of the International Centre for Genetic Engineering and Biotechnology.
12. Serve as the authorised department of the Government in respect of legislative and Parliamentary requirements in all areas mentioned under Allocation of Business for the Department."

ZAIL SINGH
President

[No. 74/2/1/86-Cab.]

DEEPAK DAS GUPTA, Jt. Secy.

